ऐतिहासिक रूप से आगे बढ़े हैं हम, अब नया इतिहास रचने की बारी

...75 वर्ष में ऐसे आगे बढ़ता गया अपना भारत

14 अगस्त की रात 12 बजे देश की जनता ने जब आजादी की पहली सांस ली तो आगे का रास्ता भी कुछ साफ नहीं था। दो सौ वर्षों की गुलामी के बाद, आंखों को जो नया सपना देखना था, उसकी सुबह तो आ चुकी थी, लेकिन नींद से जागना भी जरूरी था। देश ने दो सौ सालों की परतंत्रता में जो जख्म खाए थे, उसके निशान के साथ विभाजन की त्रासदी के जख्म भी हर भारतवासी की रूह पर चस्पा हो गए थे। फिर भी देश के तत्कालीन राजनेताओं ने अपनी दूरदृष्टि और सूझबूझ से विकास की जो राह चुनी, वह हमें आज भी प्रगति पथ पर अग्रसर करने का काम कर रही है।

लाल किले के लाहौरी गेट पर जब पहली बार तिरंगा झंडा फहराया गया तो देश के कोने से कोने से लोग झंडे को सलामी देने के साथ वीर सपूतों को नमन करने पहुंचे।

वतन की ताकत, हिम्मत बने प्रगति के पड़ाव

1 26 जनवरी, 1950 भारत ने अपने संविधान को एक ***पूर्ण गणराज्य के रूप*** में अपनाया।

2 4-11 मार्च 1951 भारत ने ***पहली बार एशियाई खेलों की*** मेजबानी की।

3 08 अगस्त 1951 ***प्रथम पंचवर्षीय योजना*** की शुरुआत हुई।

4 18 अगस्त 1951 आइआइटी खड़गपुर की स्थापना हुई।

5 1951 रेलवे नेटवर्क का राष्ट्रीयकरण किया गया था। भारतीय रेलवे ***अब दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्कों*** में से एक है।

6 2 मई 1952 भारत का ***पहला आम चुनाव***। 17 करोड़ मतदाताओं ने वोट डाले।

7 1953 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ***(एम्स) की आधारशिला*** रखी गई।

8 1953 ***फ्लैग कैरियर इंडियन एयरलाइंस*** की स्थापना हुई।

9 1954 भारत ट्रॉम्बे में पहला परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम ***लॉन्च करने वाला राष्ट्र*** बना।

10 1 जुलाई 1955 ***स्टेट बैंक ऑफ इंडिया*** की स्थापना की गई।

11 1955 भारत का ***पहला कम्प्यूटर 'एचईसी 2 एम'*** कोलकाता में स्थापित किया गया।

12 अक्टूबर 1963 प्रधानमंत्री नेहरू ने देश को भाखड़ा-नांगल बांध परियोजना दी, इसे ***'आधुनिक भारत का मंदिर'*** कहा गया।

13 04 सितंबर 1964 में भारत के पहले जेट ट्रेनर एसजीटी 16 किरण ने पहली उड़ान भरी।

14 1965 खाद्यान्न आयात निर्भरता को खत्म करने के लिए 'हरित क्रांति' की शुरुआत हुई।

15 15 अगस्त 1969 इसरो की स्थापना हुई, तब इसका नाम 'अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए भारतीय राष्ट्रीय समिति' (इन्कोस्पार) था।

16 19 जुलाई 1969 देश के 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया।

17 फरवरी 1970 दत्त समिति की अधिकतर सिफारिशों को स्वीकार करते हुए नई औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति की घोषणा की ।

18 13 जनवरी 1970 भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाले देशों की श्रेणी में लाने के लिए ***श्वेत क्रांति की नींव*** रखी गई।

19 16 दिसंबर 1971 पाकिस्तान की सेना के आत्मसमर्पण के साथ ही दुनिया के नक्शे पर बांग्लादेश एक स्वतंत्र देश के रूप में उभरा।

20 1971 ***राजाओं को मिलने वाले प्रिवी पर्स*** को खत्म किया गया।

21 1972 ***संयुक्त राष्ट्र ने स्टॉकहोम (स्वीडन)*** में हुए पहले पर्यावरण सम्मेलन में दो राष्ट्र प्रमुखों में इंदिरा गांधी भी शामिल थीं।

22 1973 भारत का सबसे सफल पशु संरक्षण कार्यक्रम ***प्रोजेक्ट टाइगर शुरू*** किया गया।

23 1973 चिपको आंदोलन भारत में वन संरक्षण आंदोलन था, शुरुआत ***उत्तराखंड*** के चमोली जिले के रेनी गांव में हुई थी।

24 1974 सफल ***शांतिपूर्ण परमाणु परीक्षण*** ने दुनिया को आश्चर्यचकित किया।

25 1975 स्वदेश निर्मित पहले भारतीय उपग्रह आर्यभट्ट का ***सफल प्रक्षेपण***।

26 1976 42वें संशोधन से संविधान की प्रस्तावना में ***'धर्मनिरपेक्ष', 'समाजवादी' और 'अखंडता'***, 10 मूल कर्त्तव्य जोड़े गए।

27 1978 भारत के ***पहले टेस्ट-ट्यूब बेबी 'दुर्गा'*** का जन्म हुआ।

28 1980 सबसे लंबे से चेचक ***उन्मूलन टीकाकरण*** कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

29 1981 भारतीय वैज्ञानिकों ने ***पहली स्वदेशी दवा*** टॉमरेल विकसित की।

30 अप्रैल 1982 पहली बार ***ब्लैक एंड वाइट से कलर*** हुआ टीवी।

31 1983 कपिल देव की कप्तानी में भारत ने ***पहला क्रिकेट विश्वकप*** अपने नाम किया।

32 1984 3 अप्रैल 1984 को ***राकेश शर्मा अंतरिक्ष*** पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बने।

33 1984 कोलकाता में ***देश की पहली मेट्रो ट्रेन*** चली।

34 1988 एशिया के पहले ***रिमोट सेंसिंग उपग्रह 'आइआरएस-1 ए'*** को लॉन्च किया गया।

35 1990 कुवैत और इराक से ***1 लाख 10 हजार भारतीयों*** को एयरलिफ्ट किया, जो सबसे बड़ी नागरिक निकास के रूप में प्रचलित हुई।

36 1991 भारत ने ***व्यापक आर्थिक सुधार*** करते हुए उदारीकरण को अपनाया।

37 1991 अर्थव्यवस्था का ***वैश्वीकरण भारतीय*** अर्थव्यवस्था ने ***विदेशी निवेशकों द्वारा मुक्तव्यापार*** के द्वार खोले।

38 1995 भारतीयों ने आखिरकार इंटरनेट पर लॉग इन किया।

39 26 जुलाई 1999 भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में ***पाकिस्तान को हरा*** विजय हासिल की।

40 2001 भारत के पहले ***स्वदेशी निर्मित लड़ाकू जेट 'तेजस'*** ने बेंगलूरु से उड़ान भरी।

41 2001 अटल बिहारी वाजपेयी ने ***स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना*** लांच की।

42 मार्च, 2002 ***प्रिवेंशन*** ऑफ टेरेरिज्म ऑर्डिनेंस को सरकार ने सदन के जॉइंट सेशन में प्रस्तुत कर पास किया।

43 2005 भारत ने नागरिकों को सूचना का अधिकार मुहैया कराया

44 2005 महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम ***(मनरेगा)*** की शुरुआत की गई।

45 2009 ***शिक्षा का अधिकार*** (आरटीआइ) कानून पारित हुआ।

46 2007 प्रतिभा पाटिल को भारत की ***पहली महिला राष्ट्रपति*** के रूप में चुना गया।

47 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मी. एयर राइफल में ***अभिनव बिंद्रा*** ने स्वर्ण पदक जीता।

48 2008 भारत के ***सफल चंद्र मिशन*** 'चंद्रयान -1' ने दुनिया को चौंका दिया

49 2008 ***इंडियन प्रीमियर लीग*** का पहले सत्र की शुरुआत हुई।

50 2009 दुनिया की सबसे बड़ी बॉयोमीट्रिक ***आइडी प्रणाली आधार कार्ड*** शुरू की गई।

51 2010 शिक्षा का अधिकार ***मौलिक अधिकार*** बना दिया गया था।

52 2011 महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 27 वर्ष बाद भारत ने ***'क्रिकेट विश्व कप'*** जीता।

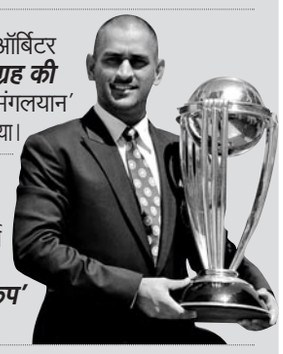

53 2013 मार्स ऑर्बिटर मिशन या ***मंगल ग्रह की यात्रा*** के दौरान 'मंगलयान' का शुभारंभ किया गया।

54 2013 में संसद में लोकपाल बिल पारित किया गया।

55 2 अक्टूबर,2014 स्वच्छ भारत मिशन ***राष्ट्रीय आंदोलन*** के रूप में शुरू किया गया।

56 2013 राष्ट्रीय ***खाद्य सुरक्षा अधिनियम*** अधिसूचित किया गया।

57 2014 भारत को ***विश्व स्वास्थ्य द्वारा 'पोलियो मुक्त'*** घोषित किया गया था।

58 2014 ऐतिहासिक ***जन-धन योजना*** की शुरुआत की गई।

59 2015 पहली बार ***अंतराष्ट्रीय योग दिवस*** दुनियाभर में मनाया गया।

60 25 जून, 2015 ***100 स्मार्ट सिटी*** बनाने के लक्ष्य के साथ, स्मार्ट सिटी मिशन लॉन्च हुआ।

61 1 जुलाई 2015 सभी विभागों को जोड़ने के लिए ***डिजिटल इंडिया योजना*** की शुरुआत हुई।

62 2016 भारत ने वायु सेना में महिलाओं के लड़ाकू विमानों के ***पहले बैच को शामिल*** किया।

63 2017 इसरो ने एक साथ 104 सेटेलाइट ***लांच कर कीर्तिमान*** रचा।

64 2017 भारत ने ***माल और सेवा कर*** को जुलाई 2017 से देश भर में लागु किया।

65 2017 भारत की सबसे ***तेज ट्रेन गतिमान एक्सप्रेस*** की शुरुआत हुई।

66 2019 धारा 370 को ***असवैंधानिक घोषित*** किया गया।

67 2019 सेना में सीडीएस की ***नया पद सृजित*** किया गया, बिपिन रावत पहले सीडीएस के तौर पर नियुक्त हुए।

68 2019 भारत ने ***मिशन शक्ति*** (एंटी-सेटेलाइट मिसाइल) का परीक्षण किया।

69 2020 ***भारत की शिक्षा*** प्रणाली में अहम बदलाव कर, नई शिक्षा नीति को मंजूरी दी गई।

70 2020 सर्वोच्च न्यायालय ने ***सेना की गैर-लड़ाकू*** सहायता इकाइयों में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने का निर्देश दिया।

71 2021 स्वदेशी वैक्सीन को-वैक्सिन का निर्माण किया, और ***विश्व का सबसे बड़ा*** निशुल्क टीकाकरण अभियान शुरू किया।

72 2022 टोक्यो ***ओलम्पिक में हॉकी टीम*** से ऐतिहासिक प्रदर्शन कर दशकों बाद मेडल जीता।

73 2022 भारत ने पहली बार ***400 अरब डॉलर के निर्यात*** का लक्ष्य हासिल किया।

74 2022 भारत ने अपने ***100 यूनिकॉर्न के लक्ष्य*** को प्राप्त किया।

75 2022 25 जुलाई 2022 को देश ***पहली आदिवासी राष्ट्रपति*** मिली।

95 फीसदी तक नामांकन गर्व की बात

हमें प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ानी होगी

रुक्मिणी बनर्जी, सीईओ, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन

अगले 5 साल में बच्चों के बुनियादी कौशल में संतोषजनक प्रगति ही सही मायने में विकास के पथ पर हमें अग्रसर करेगी।

पिछले 25 वर्षों में हिंदुस्तान की शिक्षा का मानचित्र बिल्कुल बदल गया है। आज, हर गांव में, हर कस्बे में पाठशाला है। विद्यालयों में बच्चों का नामांकन हर साल बढ़ा है। शिक्षकों की संख्या भी बड़ी है। पच्चीस साल पहले विद्यालयों में जो व्यवस्थाएं थीं, उनकी तुलना में आज उसी प्रांगण में और उसी इमारत में और भी बहुत कुछ है। हिंदुस्तान के विस्तार और विविधता को देखकर यह मानना पड़ेगा कि यह हमारे देश के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है कि आज लगभग सभी बच्चे किसी न किसी स्कूल में नामांकित हैं।

हिंदुस्तानियों के लिए 95% नामांकन सचमुच गर्व की बात है पर साथ-साथ कई आंकड़े हमें वर्षों से चिंतित और परेशान भी करते आए हैं। उदाहरण के तौर पर, असर 2008 (एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट) की रिपोर्ट में देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्र के पांचवीं कक्षा में 56.2% बच्चे सरल कहानी पढ़ पाते थे। अगर हम दस साल असर 2018 की रिपोर्ट में देखें तो वही आंकड़ा 50% है। गणित में 2008 में पांचवीं के लगभग 70% बच्चे भाग का सवाल हल कर लेते थे लेकिन 2018 तक यह आंकड़ा 52.3% तक गिर चुका था। जाहिर है कि देश के अधिकतर बच्चों की बुनियादी दक्षताएं कमजोर हैं।

स्कूली शिक्षा के परिणाम जमीनी तौर पर न भी बदले हो, तो भी यह कहना पड़ेगा की इस विषय पर बहुत आलोचना, बहस और वाद-विवाद निरंतर होते हैं। शायद, समस्त देश से लेकर हर एक-एक मोहल्ले तक मंथन से ही हमारी नई शिक्षा नीति निकली है। वर्ष 2020 में घोषित नई शिक्षा नीति ने पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने का दृढ़ निश्चय किया है। नई शिक्षा नीति 2020 के दस्तावेजों में साफ-साफ लिखा है कि अगर तीसरी कक्षा तक बच्चों को पढ़ना, लिखना, और साधारण गणित नहीं आया तो बाकि नीति की कोई अहमियत नहीं रहेगी।

अगर देश के सामने लक्ष्य साफ दिखाई दे, तो शिक्षा व्यवस्था, परिवार और समुदाय से मिलकर, लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कमर बांध कर मेहनत करने के लिए खड़े हो सकते हैं। 95% नामांकन इसी तरह से हमने करके दिखाया। एक-एक बच्चे को हम सब ने मिल कर स्कूल तक पहुंचाया है। अब हर बच्चे को आसान कहानी समझ के साथ पढ़ना सिखाना होगा, सौ तक की सभी संख्याओं को समझकर क्रियाएं करने में माहिर बनाना होगा। अगले पांच साल में तीसरी तक यह हासिल करना होगा। आज तीसरी के लगभग सिर्फ 30% बच्चे यह कर पाते हैं। इस आंकड़े को हमें 100% तक ले कर जाना होगा। काम आसान नहीं लेकिन असंभव भी नहीं है। इसे हासिल करने के लिए हमें अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। कक्षा एक से नहीं बल्कि आंगनवाड़ी से ही अलग-अलग गतिविधियों के जरिए बुनियादी कौशलों को मजबूत बनाना होगा। नई शिक्षा नीति हमें नई दिशा दिखा रही है। महामारी की वजह से स्कूल बंद थे, अब वहां नया उत्साह दिख रहा है। शिक्षा के मामले में हिंदुस्तान एक चौराहे पर आ पहुंचा है। अगले 5 साल में अगर बच्चों के बुनियादी कौशल में संतोषजनक प्रगति दिखाई देती है, तो हम मान सकते हैं कि सही मायने में विकास के पथ पर हम अग्रसर हैं।

हर नागरिक को करना होगा काम

एक नए सत्याग्रह की जरूरत है आज देश को

रोहिणी निलेकणी, समाज सेविका और जानी-मानी लेखिका

हम सब अगस्त 2022 में पूर्वजों के सपनों को फिर से याद करें, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पूर्वज बन सकेंगे।

मेरे दादा जी सदाशिव लक्ष्मण राव सोमन, जिन्हें हम सब बाबासाहेब के नाम से जानते हैं, का 1946 में देहांत हो गया, भारत के स्वतंत्रता दिवस से कुछ ही माह पहले। उन्होंने देश को स्वराज्य दिलाने का सपना साकार करने के लिए दशकों संघर्ष किया। वह 1917 में उन स्वयंसेवकों के उस पहले बैच में शामिल थे जो महात्मा गांधी के आह्वान पर चंपारण आंदोलन में उतरे थे। उन्होंने भितिहरवा में पहला आश्रम बनाने में सहायता की। वहां कई माह रहकर उन्होंने स्कूल व शौचालय बनवाए। साथ ही गांधी जी और कस्तूरबा के सत्याग्रह में शामिल हुए। बाबासाहेब किसी भी तरह के भेदभाव के विरोधी थे। वे स्वयं से पहले सेवा को महत्त्व देते थे और वकालत के अपने कॅरियर का सदुपयोग उन्होंने विवादों का निपटारा करने के लिए किया न कि उन्हें बढ़ाने के लिए। चूंकि हम आजादी के 75 वर्षों का जश्न मना रहे हैं, इसलिए यह उचित समय है कि हम बाबासाहेब जैसे लाखों लोगों के जुनून, प्रतिबद्धता और बलिदानों को नमन करें। मैं कई बार सोचती हूं कि आज के भारत के बारे में बाबासाहेब क्या सोचते? क्या यह उनके सपनों का भारत है? विनोदी स्वभाव वाले बाबासाहेब उदारमना थे और वह यह देखकर खुश ही होते कि भारत की युवा पीढ़ी किस प्रकार रचनात्मक तरीकों से स्वयं को अभिव्यक्त कर रही है। कौन जाने, वह सोशल मीडिया पर भागीदारी कर अच्छी व शालीन बातों को प्रोत्साहित करते! वह निश्चित तौर पर इस बात पर गर्व करते कि भारत से गरीबी दूर हो रही है। जो गरीबी उन्होंने देखी, वह करीब-करीब अतीत की बात हो चली है और अब भी बहुत से लोगों को मदद की जरूरत है, राष्ट्र अंतिम पंक्ति के नागरिकों पर भी ध्यान दे रहा है, जैसा गांधी जी ने सिखाया था। मेरा मानना है वह भारत की सुदृढ़ सिविल सोसायटी पर भी गर्व करते जो जरूरतमन्दों तक पहुंच रही है और सरकार व बाजार दोनों को आईना दिखा रही है, जैसा कि वह अपने समय में करते थे। बाबासाहेब यह देख कर प्रसन्न होते की हम औपनिवेशिक छाया से निकल कर कितनी दूर चले आए हैं। वह भारत के अत्याधुनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के आविष्कार की सराहना करते। वह इस बात को समझते कि इससे नए भारत के आर्थिक लोकतंत्र की नींव तैयार होगी। अगर उन्हें थोड़ा सा भी लगता कि ये सांस्कृतिक पुनरुत्थान एकतरफा है और बहुसंख्यक समुदाय विभिन्न पंथ, संस्कृति के वर्गों को साथ लेकर चलने की नैतिक जिम्मेदारी नहीं निभा रहा है तो वह इसके लिए आवाज उठाते। संभवतः अगर हम सब अगस्त 2022 में देश के लिए अपने पूर्वजों के सपनों को फिर से याद करें, हम स्वयं आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पूर्वज बन सकेंगे, जो उनके भविष्य के लिए आशाओं के द्वार खोलेगा। क्या हम ऐसे भविष्य की कल्पना कर सकते हैं, जहां हमारे बच्चे व पोते-पोतियां व अन्य सभी इस धरती पर मानवीय क्षमता के उच्चतम स्तर की उपलब्धियां हासिल कर सकें। क्या यह हमारा नया सत्याग्रह बन सकता है? ऐसा भविष्य मिलना आसान नहीं है, हर नागरिक को इसके लिए काम करना होगा। अगर आज बाबासाहेब होते तो वह इस कल्पना को यथार्थ में बदलने का निरंतर प्रयास करते। हम सबको भी यही करना चाहिए। जय हिंद!